

## 134वीं डॉ. अंबेडकर जयंती

स्रोत: पी.आई.बी

### चर्चा में क्यों?

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय की ओर से डॉ. अंबेडकर फाउंडेशन (DAF) द्वारा 14 अप्रैल, 2024 को 134वीं डॉ. अंबेडकर जयंती मनाई गई।

- बी.आर. अंबेडकर ने स्वतंत्र भारत के संविधान का मसौदा तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। हट्टि व्यक्तिगत कानूनों में सुधार लाने के उद्देश्य से हट्टि कोड बलि में उनका कम-ज्जात योगदान, अधिकि न्यायसंगत समाज के लयि उनके दृष्टिकोण को समझने में भी उतना ही महत्त्वपूर्ण है।

### हट्टि कोड बलि क्या था?

- नवगठित सरकार में कानून मंत्री के रूप में, अंबेडकर ने वर्ष 1950 में हट्टि कोड बलि का मसौदा तैयार करना शुरू किया। यह हट्टि व्यक्तिगत कानूनों में सुधार करने का अंबेडकर का प्रयास था जो हट्टि कानून को संहिताबद्ध और आधुनकि बनाएगा, जिससे महिलाओं को अधिकि अधिकार मिलेंगे।
  - बलि का मसौदा तैयार करने से पहले, अंबेडकर ने महत्त्वपूर्ण ग्रंथों और श्लोकों का अनुवाद करने के लयि संस्कृत वदिवानों को नयुक्त किया, यह सुनिश्चित करते हुए क सुधार हट्टि परंपरा में नहिति थे।
- इस बलि को कॉन्ग्रेस पार्टी और वपिक्ष के भीतर से कड़े वरीध का सामना करना पड़ा, जिसके कारण नेहरू द्वारा इसके पारति होने में देरी हुई।
- अंबेडकर के मंत्रमंडल से इस्तीफा देने के बाद, नेहरू ने पहल की और चार अलग-अलग बलियों का समर्थन किया, जनिमें हट्टि कोड बलि के समान सामग्री शामिल थी।
  - ये बलि, अर्थात् हट्टि वविह अधनियम (1955), हट्टि उत्तराधिकार अधनियम (1956), हट्टि अल्पसंख्यक और संरक्षकता अधनियम (1956), तथा हट्टि दत्तक ग्रहण और भरण-पोषण अधनियम (1956) अधनियमति कयि गए, जो हट्टि सुधार के लयि अंबेडकर के दृष्टिकोण को साकार करते थे।

//

# डॉ. भीमराव रामजी अंबेडकर



(14 अप्रैल, 1891-06 दिसंबर, 1956)

बाबासाहेब अंबेडकर

भारतीय संविधान के जनक



## संक्षिप्त परिचय

- एक समाज सुधारक, न्यायविद, अर्थशास्त्री, लेखक और तुलनात्मक धर्मों के विचारक
- वायसराय की कार्यकारी परिषद (1942) में श्रम मामलों के जानकार सदस्य
- नए संविधान के लिये मसौदा समिति के अध्यक्ष
- भारत के प्रथम विधि मंत्री
- मरणोपरांत भारत रत्न से सम्मानित (1990)

## योगदान

- हिंदुओं के खिलाफ वर्ष 1927 में महाड़ सत्याग्रह का नेतृत्व
- तीनों गोलमेज सम्मेलनों में भाग लिया
- दलित वर्गों के लिये पृथक् निर्वाचक मंडल के विचार को त्यागने के लिये महात्मा गांधी के साथ वर्ष 1932 के पूना पैक्ट पर हस्ताक्षर किये
- प्रांतीय विधायिकाओं में वंचित वर्गों के लिये आरक्षित सीटों को 71 से बढ़ाकर 147 और केंद्रीय विधानमंडल में 18% कर दिया गया था।
- जम्मू-कश्मीर के विशेष दर्जे का विरोध (अनुच्छेद 370)
- समान नागरिक संहिता का समर्थन
- अनुच्छेद 32 को “संविधान की आत्मा और इसके हृदय” के रूप में संदर्भित किया

## त्याग-पत्र और बौद्ध धर्म

- हिंदू कोड बिल पर मतभेद के कारण वर्ष 1951 में उन्हें कैबिनेट से त्याग-पत्र देना पड़ा
- बौद्ध धर्म को अपनाया; उनकी मृत्यु को महापरिनिर्वाण दिवस के रूप में मनाया जाता है

## महत्वपूर्ण पत्रिकाएँ

- मूकनायक (1920)
- बहिष्कृत भारत (1927)
- समता (1929)
- जनता (1930)

## संगठन

- ‘बहिष्कृत हितकारिणी सभा’ की स्थापना (1923)
- स्वतंत्र लेबर पार्टी की स्थापना (1936)
- शेड्यूल्ड कास्ट फेडरेशन की स्थापना (1942)

## पुस्तकें

- जाति का विनाश (Annihilation of Caste)
- बुद्ध या कार्ल मार्क्स (Buddha or Karl Marx)
- अछूत: वे कौन थे और अछूत कैसे बने (The Untouchable: Who are They and Why They Have Become Untouchables)
- हिंदू महिलाओं का उदय और पतन (The Rise and Fall of Hindu Women)

डॉ. अंबेडकर फाउंडेशन (DAF):

- DAF का गठन बाबासाहेब डॉ. बी.आर. अंबेडकर के संदेश और वचिारधाराओं को प्रसारति करने के लयि कयिा गया था, जसिका लक्ष्य अखलि भारतीय पैमाने पर उनके दृषुटकिोण एवं वचिारों को आगे बढाना था ।
- सामाजकि न्याय और अधकिारतिा मंत्रालय के तहत 1992 में स्थापति, DAF डॉ. अंबेडकर की वशिस्त कोसंरक्षति एवं प्रचारति करने के लयि समरपति एक स्वायत्त नकिाय के रूप में कार्य करता है ।
- डॉ. अंबेडकर राष्टरीय समारक (DANM) संगरहालय व्यक्तगित सामान, तस्वीरों, पत्रों और दस्तावेजों के संगरह के माध्यम से डॉ. बी.आर. अंबेडकर के जीवन, कार्य एवं योगदान को प्रदर्शति करता है ।

## UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

?????????:

प्रश्न. नमिनलखिति में से कसि पार्टी की स्थापना डॉ. बी.आर. अंबेडकर ने की थी? (2012)

1. पीज़ेंटस एंड वर्करस पार्टी ऑफ इंडयिा
2. ऑल इंडयिा शेड्यूलड कास्ट फेडरेशन
3. द इंडपिंडेंट लेबर पार्टी

नीचे दयि गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनयि:

- (a) केवल 1 और 2
- (b) केवल 2 और 3
- (c) केवल 1 और 3
- (d) 1, 2 और 3

उत्तर: (B)

???????

प्रश्न. अलग-अलग दृषुटकिोण और रणनीतयिों के बावजूद महात्मा गांधी तथा डॉ. बी.आर. अंबेडकर का दलतिों के उत्थान का एक सामान्य लक्ष्य था । स्पष्ट कीजयि । (2015)